ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

Class – 7
Chapter - 8

गुरुभ्यो नमः - एकलव्य

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

एकलव्य महाभारत का एक पात्र है। वह हिरण्य-धनु नामक निषाद का पुत्र था। उसमें धनुर्विद्या सीखने की इच्छा थी। एकलव्य धनुर्विद्या सीखने के उद्देश्य से द्रोणाचार्य के पास आया किंतु निषाद पुत्र होने के कारण द्रोणाचार्य ने उसे अपना शिष्य बनाना स्वीकार नहीं किया। गुरु द्रोणाचार्य कौरव और पांडवों के राजगुरु थे। वे सिर्फ़ राजकुमारों को विद्यादान करते थे। उनका प्रिय शिष्य अर्जुन था। वे अपनी सारी विद्या अर्जुन को देना चाहते थे। जब द्रोणाचार्य ने एकलव्य को विद्या देने से इनकार किया तो वह निराश नहीं हुआ। वह वन में चला गया। वहाँ पर उसने द्रोणाचार्य की मूर्ति बनाई और उस मूर्ति को गुरु मानकर धनुर्विद्या का अभ्यास करने लगा।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

एकाग्रचित्ता, गुरु के प्रति अपार श्रद्धा तथा ईमानदारी के कारण वह धनुर्विद्या में अत्यंत निपुण हो गया। अपने मानसगुरु द्रोणाचार्य के प्रति उसके मन में अपार श्रद्धा थी। एक बार गुरु द्रोण अपने शिष्यों के साथ उसी वन में आए जहाँ एकलव्य अपना आश्रम बनाकर धनुर्विद्या का अभ्यास कर रहा था। गुरु द्रोण तथा उनके शिष्यों के साथ उनका श्वान भी आया था। राजकुमारों का श्वान भटककर एकलव्य के आश्रम में जा पहुँचा। एकलव्य को देखकर श्वान भौंकने लगा, भौंकने से एकलव्य की साधना में खलल पड़ रहा था, अतः उसने अपने बाणों से श्वान का मुँह बंद कर दिया। एकलव्य ने इतनी कुशलता से बाण चलाए थे कि उस श्वान को किसी प्रकार की चोट नहीं लगी। श्वान के लौटने पर कौरव, पांडव तथा स्वयं द्रोणाचार्य यह कौशल देखकर दंग रह गए और बाण चलाने वाले की खोज करते हुए एकलव्य

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

के पास पहुँचे। उन्हें यह जानकर और भी आश्चर्य हुआ कि द्रोणाचार्य को 'मानसगुरु' मानकर एकलव्य ने स्वयं ही अभ्यास से यह विद्या प्राप्त की है। गुरु द्रोण को एकलव्य की धनुर्विद्या को देखकर संतोष हुआ। ऐसा योग्य तीरंदाज़ उन्होंने पहले कभी नहीं देखा था। द्रोणाचार्य के साथ अर्जुन भी था, वास्तव में द्रोणाचार्य अपनी सारी विद्या अर्जुन को देना चाहते थे और उसी को श्रेष्ठ धनुर्धर बनाना चाहते थे। उन्होंने अर्जुन को यह वचन दिया था कि वे उसे उच्च शिखर तक ले जाएँगे।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

शब्दार्थ

उद्देश्य - प्रयोजन

निषाद - नीच जाती का व्यक्ति

राजगुरु - राजघराने का गुरु

अभ्यास - किसी काम को बार बार करना

एकाग्रचित्ता - स्थिरचित्त

अपार - असीम

संतोष - तृप्ति

श्रद्धा - आदरपूर्ण आस्था

निपुण - पारंगत

श्वान - कुत्ता

खलल - बाधा

कुशलता - निपुणता

दंग - चकित

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

1. **गुरु द्रोणाचार्य कौन थे ? वे किसको धनुर्विद्या सिखाते थे ?**
2. **जब द्रोणाचार्य ने एकलव्य को धनुर्विद्या सीखाने के लिए इंकार कर दिया , तब एकलव्य ने क्या किया ?**
3. **द्रोणाचार्य क्यों दंग रह गए ?**
4. **द्रोणाचर्य क्या चाहते थे ?**

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

विलोम शब्द।

प्रिय -

अपना -

बंद -

संतोष –

वाकया बनाओ।

धनुर्विद्या, मूर्ति, अभ्यास , आश्चर्य, दंग

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

Thank you

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: **1800 120 2316**
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024